शोध, नवाचार और विकास की नई उड़ान से बनाई

ग्लोबल पहचान

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) देश के उन अग्रणी विश्वविद्यालयों में है, जो शोध, नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। विश्वविद्यालय छात्रों को पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बना रहा है, और इनोवेशन, रिसर्च तथा सामाजिक जिम्मेदारी का केंद्र बन चुका है। शिक्षा की गुणवत्ता, रिसर्च कार्य और नए कोर्सों ने इसे न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे भारत में पहचान दिलाई है। हाल के वर्षों में विश्वविद्यालय ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे इसे भविष्य की ग्लोबल एजुकेशन की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर रही हैं।

यूजीसी के शोधगंगा पोर्टल पर देश में दूसरा स्थान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के शोधगंगा पोर्टल पर सीएसजेएमयू ने शानदार प्रदर्शन किया है। देश के 840 विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा अपलोड की गई लगभग 6.20 लाख थीसिस में से सीएसजेएमयू ने 10,279 शोध कार्य अपलोड करके देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि सीएसजेएमयू की रिसर्च कैपेसिटी और क्वालिटी का प्रमाण है।

विश्वविद्यालय में संचालित स्कूल

- अटल बिहारी बाजपेई स्कल ऑफ लीगल स्टडी
- स्कूल्स ऑफ एडवांस एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नलाजी
- स्कूल ऑफ बेसिक साइंस
- स्कूल ऑफ आर्टस, ह्यूमनिटीज एंड सोशल साइंस
- स्कूल ऑफ क्रिएटिव एंड परफार्मिंग आर्टस
- स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट
- स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस
- स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट
- स्कूल ऑफ लैंग्वेज
- स्कूल आफ लाइफ साइंस बायोटेक्नॉलोजी
- स्कूल आफ फार्मास्युटिकल साइंस
- स्कूल ऑफ टीचर एजुकेशन

इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक पहल

सीएसजेएमयू न केवल शिक्षा और शोध बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर भी जोर दे रहा है। परिसर में आधुनिक स्टेडियम, नया हॉस्टल, जिम और अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ तैयार की गई हैं। विश्वविद्यालय ने 17,500 से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किया है।

इनोवेशन, तकनीक, स्वास्थ्य और भाषा के क्षेत्र में करियर बेस्ड कोर्स

- सीएसजेएमयू ने 2025-26 शैक्षिक सत्र में कई नए और उन्नत पाठ्यक्रमों की शुरुआत की है। इन पाठ्यक्रमों से छात्रों को अपनी रुचि और करियर के अनुसार नई दिशा मिलेगी। बेसिक विज्ञान विभाग में कुछ नए एमएससी कोर्स जैसे गणित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान में स्थिरता और शासन, रसायन विज्ञान में सुगंध और स्वाद विज्ञान, और भूगोल में जीआईएस और रिमोट सेंसिंग छात्रों को उन्नत तकनीक और अनुसंधान से जोड़ेंगे। इसके साथ ही, वैदिक गणित जैसे प्रमाणपत्र कोर्स भी उपलब्ध हैं।
- स्वास्थ्य विज्ञान विभाग में ऑपरेशन थिएटर तकनीक, ऑप्टोमेट्री, और चिकित्सा रेडियोलॉजी और इमेजिंग तकनीक जैसे पाठ्यक्रम छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा देंगे। बीएससी और एमए क्लिनिकल मनोविज्ञान भी यहां उपलब्ध है, जो मानसिक स्वास्थ्य में करियर बनाने का मौका देते हैं। भाषा और शिक्षा विभाग में स्पेनिश, मंदारिन, जैन दर्शन, प्राकृत और शिक्षक शिक्षा में एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम और डिजिगोगी जैसे पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।
- विधि विभाग में एलएलएम (1 वर्ष) का पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है। इसके अलावा, आईआईटी कानपुर के सहयोग से साइबर सुरक्षा व्यावसायिक कोर्स ऑनलाइन भी उपलब्ध कराया गया है। ये पाठ्यक्रम छात्रों को तकनीकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, और भाषा के क्षेत्र में नए और बेहतर करियर अवसर प्रदान करेंगे।

44 कोर्स हैं संचालित

7653 सीटों पर प्रवेश

पेटेंट और स्टार्टअप इकोसिस्टम

- सीएसजेएमयू ने अब तक 300 से अधिक पेटेंट दर्ज कराए हैं। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों और शिक्षकों के नवाचार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है। कैंपस में तेजी से विकसित हो रहा स्टार्टअप इकोसिस्टम छात्रों को उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित कर रहा है। आने वाले समय में यह इकोसिस्टम कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में रोजगार और विकास का नया केंद्र बनने की क्षमता रखता है।

एल्युमनी हैं उत्कृष्टता की धरोहर

- सीएसजेएमयू देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कई प्रमुख व्यक्तित्व का शिल्पकार है। इनमें से एक हैं राम नाथ कोविंद, जो भारत के 14वें राष्ट्रपति बने। उनका सरल जीवन और संघर्षपूर्ण यात्रा विश्वविद्यालय की नीतियों और नेतृत्व के मार्गदर्शन को दर्शाता है। पूर्व प्रधानमंत्री, अटल बिहारी वाजपेयी भी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं। ये विभूतियां न केवल प्रेरणा स्रोत हैं, बल्कि सीएसजेएमयू की गुणवत्ता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक भी हैं।

उद्योग और रक्षा क्षेत्र से सहयोग

- विश्वविद्यालय ने शोध और तकनीक के क्षेत्र में कई उद्योगों और रक्षा संबंधी संस्थानों के साथ हाथ मिलाया है। हाल ही में त्रिपाठी एयरोटेक के साथ ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक पर काम करने के लिए एमओयू साइन किया गया। इसके अलावा आईआईटी कानपुर के साथ साइबर सुरक्षा कोर्स की शुरुआत विश्वविद्यालय की बड़ी पहल है। यह कदम छात्रों को अत्याधुनिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ स्टार्टअप और इनोवेशन की दिशा में प्रेरित करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और पहचान

- विश्वविद्यालय लगातार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ा रहा है। हाल ही में आयोजित ग्लोबल बिज़नेस समिट और अमेरिका की लुइसविल यूनिवर्सिटी के व्याख्यानों ने छात्रों को वैश्विक दृष्टिकोण दिया। विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ रही है और अनेक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू के जरिए शोध व अध्ययन के साथ विश्वविद्यालय रोजगार के नए अवसर बना रहा है।

लेखक
डॉ.विशाल शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
हेड डिपार्टमेंट ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन
सीएसजेएमयू कानपुर

जॉब अलर्ट

पंजाब एंड सिंध बैंक में अधिकारी बनने का मौका

- कुल पद 750
- आयु सीमा 20 से 30 वर्ष
- अंतिम तिथि 4 सितंबर

योग्यता – मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री
आवेदन वेबसाइट punjabandsindbank.co.in

राजस्थान लोक सेवा आयोग में सीनियर टीचर ग्रेड-2

- कुल पद 6500
- अंतिम तिथि 17 सितंबर

योग्यता – हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, उर्दू, पंजाबी, सिंधी और गुजराती विषय में स्नातक तथा बीएड डिग्री
वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in

बीएसएफ में बनें हेड कांस्टेबल

- कुल पद 1121
- अंतिम तिथि 23 सितंबर

वेबसाइट rectt.bsf.gov.in
योग्यता – हेड कांस्टेबल (रेडियो ऑपरेटर) -12वीं कक्षा में फिजिक्स, केमिस्ट्री और गणित विषय में 60% अंक। रेडियो मैकेनिक के लिए 10वीं उत्तीर्ण तथा संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट

रेलवे में अप्रेंटिस के लिए करें आवेदन

- कुल पद 2865

योग्यता – 10वीं परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण तथा संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट।
आयु सीमा- 15 से 24 वर्ष
अंतिम तिथि – 29 सितंबर
आवेदन – wcr.indianrailways.gov.in

नेवल डॉकयार्ड में अप्रेंटिस का मौका

आवेदन शुरू- एक सितंबर से
अंतिम तिथि – 21 सितंबर
योग्यता – किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में आईटीआई (एनसीवीटी/एससीवीटी) के साथ 8वीं, 10वीं पास
आयु सीमा – न्यूनतम आयु 14 वर्ष
आवेदन : पोर्टल www.joinindiannavy.gov.in पर

काम की बात

गेट के लिए रजिस्ट्रेशन 28 सितंबर तक परीक्षा अगले वर्ष फरवरी में

- आईआईटी गुवाहाटी ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2026 के लिए पंजीकरण तिथि बदल दी है। गेट 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन अब 28 अगस्त से शुरू होकर 28 सितंबर तक चलेंगे। विलंब शुल्क के साथ आवेदन की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर रहेगी। उम्मीदवारों को पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा, जिसमें व्यक्तिगत और शैक्षणिक विवरण भरना, दस्तावेज अपलोड करना और आवेदन शुल्क भुगतान शामिल है। परीक्षा 7, 8, 14 और 15 फरवरी, 2026 को आयोजित की जाएगी। सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 2000 रुपये और महिला/एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 1000 रुपये है। गेट-2026 परीक्षा 30 टेस्ट पेपरों वाली कंप्यूटरआधारित परीक्षा होगी।

एकेटीयू ने बीटेक अंतिम वर्ष छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की

- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट, इंडस्ट्री में काम और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को देखते हुए ऑनलाइन क्लास की सुविधा शुरू की है। बीटेक पाठ्यक्रम के सातवें सेमेस्टर का 50 फीसदी और आठवें सेमेस्टर की पूरी तरह से ऑनलाइन कक्षाएं चलाई जाएंगी। विश्वविद्यालय के इस आदेश के बाद सम्बद्ध 750 इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज में लगभग 2 लाख से अधिक छात्रों को फायदा होगा। नई व्यवस्था में मूक्स (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) के जरिये छात्र अपनी सुविधानुसार कक्षाएं कर सकेंगे। अधिकतम 40 प्रतिशत क्रेडिट के कोर्स मूक्स के जरिये संचालित किए जाएंगे। मूक्स पर ज्यादातर इंडस्ट्री ओरिएंटेड और रोजगार परक कोर्स उपलब्ध हैं। इनके जरिये कोर्स करने पर छात्रों को स्किल्ड बनाने में सहायता होगी।

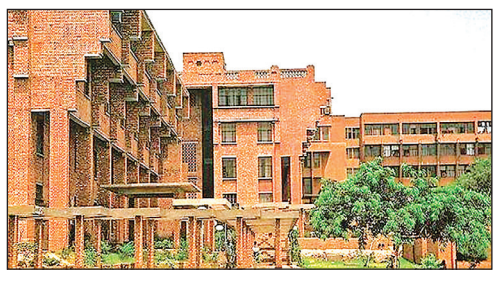

जेएनयू से विदेशी भाषाओं में करें बीए आनर्स, बनाएं करियर

- जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू), नई दिल्ली से कई विदेशी भाषाओं में बीए आनर्स की पढ़ाई करके करियर के रास्ते खोले जा सकते हैं। जेएनयू से रशियन, फ्रेंच, जर्मन, मैंदरिन (चीन), जापानी, कोरियन और स्पैनिश भाषा में बीए आनर्स की पढ़ाई करके अनुवादक, कार्पोरेट सेक्टर, टूरिज्म इंडस्ट्री, हॉस्पिटैलिटी, डिप्लोमेसी, मीडिया और इंटरनेशनल रिलेशंस के क्षेत्र में बेहतरीन करियर बनाया जा सकता है। जेएनयू में दाखिला CUET के स्कोर से होता है।

एसबीआई फेलोशिप: युवाओं के लिए बदलाव का हिस्सा बनने का मौका

एसबीआई फाउंडेशन ने अपने 13 माह के फ्लैगशिप प्रोग्राम एसबीआई यूथ फार इंडिया फेलोशिप-2025 के लिए आवेदन शुरू कर दिए हैं। इसकी शुरुआत अक्टूबर 2025 से होगी। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 11 सितंबर है। एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप युवाओं को ग्राउंड लेवल पर काम करने का मौका देती है। यह पूरी तरह से फंडेड प्रोग्राम है, जिसमें चुने गए फेलोज रूरल कम्युनिटी के साथ मिलकर 13 प्रतिष्ठित एनजीओ के सहयोग से स्थायी समाधान तैयार करते हैं। इस फेलोशिप का उद्देश्य युवाओं को गांवों के विकास से जोड़ना और उन्हें हेल्थ, एजुकेशन, एनवायरनमेंट और वुमन एंपावरमेंट जैसे क्षेत्रों में वास्तविक अनुभव देना है। यह प्रोग्राम युवाओं को न सिर्फ सामाजिक समस्याओं को समझने का अवसर देता है, बल्कि उन्हें समाधान का हिस्सा भी बनाता है। आवेदक की आयु सीमा 21 से 32 साल के बीच होनी चाहिए। चयनित फेलोज को 4 अक्टूबर को राजस्थान के किशनगढ़, तिलोनिया में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए रिपोर्ट करना होगा।

इस तरह करें यूपी पीईटी की तैयारी, मिलेगी सफलता

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की पीईटी का आयोजन 6 एवं 7 सितंबर को दो पालियों सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तथा अपराह्न 3 से शाम 5 बजे तक प्रदेश में तय केंद्रों पर होगा।

परीक्षा का यह होगा सिलेबस

परीक्षा में भारतीय इतिहास, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन, भूगोल, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन, सामान्य विज्ञान, प्रारंभिक अंकगणित, सामान्य हिंदी, सामान्य अंग्रेजी, तर्क एवं तर्कशक्ति विषयों से 5-5 नंबर के प्रश्न आएंगे। इसके अलावा सामयिकी, सामान्य जागरूकता, अपठित हिंदी गद्यांश, ग्राफ की व्याख्या एवं विश्लेषण और तालिका की व्याख्या एवं विश्लेषण विषयों से 10-10 प्रश्न पूछे जाएंगे।

- **यह रहेगा परीक्षा का पैटर्न :** यूपी पीईटी में बहुविकल्पीय प्रकार के कुल 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक सही उत्तर के लिए अभ्यर्थियों को एक अंक प्रदान किया जाएगा। लेकिन परीक्षा में माइनस मार्किंग भी होगी। प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 1/4 अंक की कटौती की जाएगी। प्रश्न पत्र हल करने के लिए कुल 2 घंटे का समय प्रदान किया जाएगा।
- **तीन वर्ष के लिए अनुमन्य रहेगा स्कोरकार्ड :** इस वर्ष से उत्तर प्रदेश सरकार ने पीईटी स्कोर कार्ड की वैधता बदल दी है। पहले स्कोरकार्ड की वैधता केवल एक वर्ष के लिए रहती थी लेकिन अब इसे तीन वर्ष कर दिया गया है। अब एक बार परीक्षा देने के बाद अभ्यर्थी स्कोरकार्ड के जरिये तीन वर्ष तक भर्ती में भाग ले पाएंगे।

ग्रुप 'सी' की इन भर्तियों के लिए पीईटी है जरूरी

अभ्यर्थी परीक्षा एक बार पास करने के बाद ग्रुप 'सी' की सभी भर्तियों के लिए आवेदन कर सकेगा। इनमें यूपी एएनएम मंडी परिषद संयुक्त संवर्ग, राजस्व लेखपाल पद, सहायक बोरिंग टेक्नीशियन, आईटीआई अनुदेशक, सम्मिलित तकनीकी सेवा, वन रक्षक व वन्य जीव रक्षक, ग्राम पंचायत अधिकारी, एक्सरे टेक्नीशियन, एग्रीकल्चर असिस्टेंट, राजस्व विभाग में जूनियर असिस्टेंट, अकाउंटेंट एवं ऑडिटर, गन्ना विभाग में सर्वेयर आदि पदों पर भर्ती के लिए पीईटी अनिवार्य है।

किस विषय के लिए कितने अंक निर्धारित

- भारतीय इतिहास, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन, भूगोल, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन, सामान्य विज्ञान, प्रारंभिक अंकगणित, सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी, लॉजिक एंड रीजनिंग

(सभी से 5-5 अंकों के प्रश्न)

- करेंट अफेयर्स- 10 अंक
- जनरल अवेयरनेस- 10 अंक
- अपठित हिन्दी गद्यांश - 10 अंक
- ग्राफ की व्याख्या- 10 अंक
- तालिका की व्याख्या- 10 अंक